प्रकाशनार्थ

पटना, 8 जनवरी। राष्ट्रीय पक्षी दिवस के अवसर पर भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा आज स्कूली बच्चों के लिए फोटोग्राफी, मूर्तिकला और चित्रकला की तीन श्रेणियों में एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन मंत्रालय की जलवायु परिवर्तन से निपटने वाली इकाई EIACP के माध्यम से किया गया। EIACP पटना-स्थित एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (ADRI) के सेंटर फॉर स्टडीज़ ऑन एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट (CSEC) में केन्द्रित है।

कार्यक्रम की शुरुआत EIACP-ADRI की डॉ. मौसमी गुप्ता और डॉ. सुनील कुमार गुप्ता के साथ एक संवादात्मक सत्र से हुई। पक्षी हमें जलवायु परिवर्तन संकट के संभावित दुष्परिणामों के बारे में पहले से चेतावनी दे देते हैं। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध संघर्ष में पक्षियों की यह भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी कारण हमें इन पंखधारी प्रहरी प्रजातियों के समक्ष बढ़ते खतरों को समझना चाहिए और उन्हें गर्म होती दुनिया में जीवित रहने में सहायता देना समय की मांग है।

एक अच्छी बात यह है कि बर्डिंग और बर्ड फोटोग्राफी के प्रति रुचि लोगों में लगातार बढ़ रही है। पक्षी विज्ञान (ऑर्निथोलॉजी) लोकप्रिय हो रहा है। इससे जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से संबंधित समस्याओं को हल करने में मदद मिल सकती है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम पक्षियों की निगरानी हेतु बर्ड-रेंजिंग स्टेशनों के नेटवर्क की स्थापना होगी।

कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि कांच-लेपित मांजा से बनी पतंग की डोरों में उलझकर पक्षी उड़ान के दौरान फँस जाते हैं और दम घुटने से उनकी मृत्यु हो जाती है। यह अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। पक्षी कीट नियंत्रण, पौलिनेशन, और बीज प्रसार में अहम भूमिका निभाते हैं। अतः पक्षी संरक्षण से जुड़े कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ जन-जागरूकता अभियान चलाना समय की आवश्यकता है।

पटना की कलमगार फाउंडेशन ने भी इस अवसर पर पक्षी संरक्षण पर आधारित एक नाटक और प्रस्तुति दी। EIACP-ADRI के गुलशन पटेल, मौसम बहार और सुश्री पूजा कुमारी ने इस कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का आयोजन किलकारी बिहार बाल भवन में किया गया। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में कुल 105 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(अभिषेक प्रसाद)